B.A. 4th Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-VIII

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. অধোনির্দিষ্টেষু প্রশ্নেষু *দশ* প্রশ্না: সুরগিরা দেবনাগরীমাশ্রিত্য সমাধেয়া:। 2×10=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখো।

(a) রুদ্রদাম্ন: জুনাগড় প্রশস্তে: লিপির্ভাষা চ কে?
রুদ্রদামনের জুনাগড় প্রশস্তির লিপি ও ভাষা কী?

(b) জুনাগড় প্রশস্তে: প্রাপ্তিস্থানং ক্ব বর্ততে?
জুনাগড় প্রশস্তির প্রাপ্তিস্থান কোথায়?

(c) কস্য রাজত্বাবসরে কস্য বা কালে সুদর্শনহ্রদো মূলতো নির্মিত আসীত্?
কার রাজত্বকালে বা কার আমলে সুদর্শন হ্রদ নির্মিত হয়েছিল?

(d) সুবিশাখ: ক আসীত্?
সুবিশাখ কে ছিলেন?

(e) জুনানড় প্রশস্তে পঞ্চদশকপঙ্‌ক্তৌ রুদ্রদাম্না অর্জিতস্য কস্য শিরোনাম্নো বিষয় আখ্যাত:?
জুনাগড় প্রশস্তির ১৫নং পঙ্‌ক্তিতে রুদ্রদামনের দ্বারা অর্জিত কোন উপাধির কথা বলা হয়েছে?

(f) মৌযসম্রাজশ্চন্দ্রগুপ্তস্য কস্তাবত্ আসীত্ প্রাদেশিক: শাসক:?
মৌর্যসম্রাট চন্দ্রগুপ্তের প্রাদেশিক শাসক কে ছিলেন?

(g) সুদর্শনহ্রদেন সাকং প্রত্যক্ষেণ ভাবেন সংযুক্তযোর্নদ্যো: নাম লিখ্যতাম্।
সুদর্শন হ্রদের সাথে ওতপ্রোত ভাবে জড়িত নদী দুটির নাম লেখো।

(h) জুনাগড় প্রশস্তেশ্চতুর্থ্যাং পঙ্‌ক্তৌ উত্কীর্ণযবনরাজস্য নাম লিখ্যতাম্।
জুনাগড় প্রশস্তির ৪নং পংক্তিতে উৎকীর্ণ যবন রাজের নাম লেখো।

(i) মেহরৌলে: প্রাচীনং নাম কিমাসীত্?
মেহরৌলির প্রাচীন নাম কি ছিল?

(j) मेहरौले: लौहस्तम्भलिपे: प्राप्तिस्थानं कुत्रासीत्?
মেহরৌলি লৌহ স্তম্ভলিপির প্রাপ্তিস্থান কোথায়?

(k) मेहरौलिनामकस्तम्भलिपौ कस्य छन्दस: व्यवहारो दृश्यते?
মেহরৌলির স্তম্ভলিপিতে কোন ছন্দের ব্যবহার দেখা যায়?

(l) राजा चन्द्र: प्रकृत्या क आसीत्?
রাজা চন্দ্র প্রকৃতপক্ষে কে ছিলেন?

(m) मेहरौलिस्तम्भलेखस्य मूलविषय: एकमात्रेण लिख्यताम्।
মেহরৌলি স্তম্ভ লেখের মূলবিষয় এককথায় লেখো।

(n) मेहरौलिस्तम्भलिपेरनुसारेण राजा चन्द्र: कुत्र विष्णुध्वजं स्थापयामास?
মেহরৌলি স্তম্ভলিপি অনুযায়ী রাজা চন্দ্র কোথায় বিষ্ণুধ্বজ স্থাপন করেছিলেন?

(o) मेहरौलिस्तम्भलिपौ प्रतिभातयो: छन्द:काव्यरीत्यो: नाम लिख्यताम्।
মেহরৌলি স্তম্ভলিপিতে প্রতিফলিত ছন্দ এবং কাব্যরীতির নাম লেখো।

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *चतुर्णां* प्रश्नानां उत्तरं लिखत्याम्। *प्रश्नद्वयं* सुरगिरा लेखनीयम्। 5×4=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর লেখো। তার মধ্যে *দুটি* সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) संक्षिप्ता टिप्पणी लेख्या अधस्तनेषु *द्वितय*मधिकृत्य:
টীকা লেখো যে কোনো *দুটি*।

(i) बङ्ग (বঙ্গ) (ii) जलनिधि: (জলনিধি)

(iii) विष्णुपदगिरि: (বিষ্ণুপদগিরিঃ) (iv) वाह्लिक: (বাহ্লিকঃ)

(b) रुद्रदाम्न: जुनागडनामकस्य अभिलेखस्य विषयसम्भार: लेख्य:।
রুদ্রদামনের জুনাগড় অভিলেখের বিষয়বস্তু লেখো।

(c) सुदर्शनह्रदस्य संक्षिप्तं विवरणं प्रदेयम्।
সুদর্শন হ্রদের সংক্ষিপ্ত বিবরণ দাও।

(d) *द्वितय*माश्रित्य टिप्पणी लेख्या
টীকা লেখো (যে কোনো *দুটি*)

(i) पूर्वाकरावन्ति (পূর্বাকরাবন্তি)

(ii) अनुप or अनुपनीवृत (অনুপ বা অনুপনীবৃত)

(e) राज्ञश्चन्द्रस्य मेहरौलिलौहस्तम्भलिपे: विषयवृत्तं लेख्यम्।
রাজা চন্দ্রের মেহরৌলি লৌহস্তম্ভলিপির বিষয়বস্তু লেখো।

(f) अधस्तनस्य त्रितयस्य प्रवर्तकाभ्यन्तरगतं यं कञ्चन मनीषिणमालिख्य टीका प्रदीयताम्
নীচের তিনজন প্রবর্তকের মধ্যে যে কোনো একজন সম্বন্ধে টীকা লেখো।

(i) डि. सि. सरकार: (ডি. সি. সরকার)

(ii) हरप्रसाद शास्त्री (হরপ্রসাদ শাস্ত্রী)

(iii) राखालदास बन्द्योपाध्याय: (রাখালদাস বন্দ্যোপাধ্যায়)

Or,

समराङ्गणे प्रदर्शितस्य रुद्रदाम्न: वीरत्वमाधारीकृत्य संक्षेपेण आलोचना विधेया।
যুদ্ধে প্রদর্শিত রুদ্রদামনের বীরত্ব সম্বন্ধে সংক্ষেপে আলোচনা করো।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *द्वयो:* उत्तरं लिखताम्:। 10×2=20
নীচের প্রশ্নগুলির *দুটির* উত্তর দাও।

(a) जुनागड प्रशस्ते: ऐतिहासिकं गुरुत्वं विधेयम्।
জুনাগড় প্রশস্তির ঐতিহাসিক গুরুত্ব আলোচনা করো।

(b) विविधानां विदग्धानां मतानुसारत: राजा चन्द्र: क आसीदिति आलेचना कार्या।
বিভিন্ন পণ্ডিতদের মত অনুযায়ী রাজা চন্দ্র কে ছিলেন আলোচনা করো।

(c) जुनागडप्रशस्तौ समुल्लिखितरुद्रदाम्न: आभिगामिकानां गुणानां परिचयो निबध्यताम्।
জুনাগড় প্রশস্তিতে উল্লিখিত রুদ্রদামনের আভিগামিক গুণগুলির পরিচয় দাও।

(d) ब्राह्मा वर्णलिपे: क्रमविवर्तनस्य आलोचनं कार्यम्।
ব্রাহ্মী হরফের ক্রমবিবর্তন আলোচনা করো।

अथवा,
অথবা

मेहरौलिलौहस्तम्भनिहिते अभिलेखे यानि भौगोलिकानि अवस्थानानि सन्ति, तानि आधारीकृत्य पर्यालोचना विधेया।
মেহরৌলি লৌহস্তম্ভ অভিলেখে যে ভৌগোলিক অবস্থানগুলির কথা বলা হয়েছে তা আলোচনা করো।